दिलदार कन्हैया से नाता जो पुराना है भजन लिरिक्स

दिलदार कन्हैया से,
नाता जो पुराना है,
अंतिम स्वासों तक इस,
रिश्ते को निभाना है।bd।

तर्ज – बचपन की मोहब्बत।

जब दाव लगाया है,
क्या बात है डरने की,
मुद्दत से जो आई है,
ये रात है मिलने की,
उस धेनु चरैया से,
दु:ख दर्द सुनाना है,
अंतिम स्वासों तक इस,
रिश्ते को निभाना है।bd।

चूका तू अगर मौका,
धोखा रह जाएगा,
ठोकर मत खा जाना,
वरना पछ्ताएगा,
यादें गिरधारी की,
तेरा माल खजाना है,
अंतिम स्वासों तक इस,
रिश्ते को निभाना है।bd।

जो उस जीवन धन से,
वादा करके आया,
क्यों माया में फसके,
पगले तू भरमाया,
हर कुरबानी देकर,
प्रीतम को रिझाना है,
अंतिम स्वासों तक इस,
रिश्ते को निभाना है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हरदम वो कन्हैया है,
पतवार उसे सौंपी,
घनश्याम खिवैया है,
मिलकर सतसंगत का,
एक बाग़ लगाना है,
अंतिम स्वासों तक इस,
रिश्ते को निभाना है।bd।

दिलदार कन्हैया से,
नाता जो पुराना है,
अंतिम स्वासों तक इस,
रिश्ते को निभाना है।bd।

Singer – Ravi Sharma “Sooraj”
Lyricist – Shyam Bahadur Ji (Shiv)

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com